Vol 4 Issue 3 Sept 2014 ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.net

Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063
Impact Factor : 2.2052(UIF)
Volume-4 | Issue-3 | Sept-2014
Available online at www.aygrt.isrj.net

भारत में लिंगानुपात का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन (Census 1901 से 2011 तक)

सेराफिनुस किस्पोट्टा[1] , टी.आर. रात्रें[2]

[1]सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, गुरू घासीदास वि.वि. बिलासपुर छ.ग.
[2]सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, गुरू घासीदास वि.वि. बिलासपुर छ.ग.

सारांश :-समाज विकसित अथवा अल्प विकसित कैसा भी हो, जनसंख्या का प्रश्न उसके लिए महत्वपूर्ण होता है। प्रायः सामाजिक एवं आर्थिक शोध में इस ओर काफी ध्यान दिया जाता है। जनसंख्या, भौगोलिक दशाओं के साथ–साथ सामाजिक उत्पादन का प्राकृतिक आधार होती है। किसी भी समाज में उत्पादक शक्तियों (Productive forces) के दिये हुए स्तर पर जनसंख्या का आकार और गुणात्मक स्तर, सामाजिक संपत्ति की मात्रा और भावी विकास की संभावनाओं को निर्धारित करता है।

प्रस्तावना :-

भूमिका :विश्व की जनसंख्या 31 अक्टूबर 2011 को 7 अरब थी जिसमें भारत का 17.5% जनसंख्या निवासरत् है जबकि चीन के बाद भारत का दुसरा स्थान है। विश्व में भारत का भौगोलिक क्षेत्रफल 2.4% है। भारत का कुल जनसंख्या 1891 में 23.6 करोड़ था जो कि जनगणना वर्ष 2011 में बढ़कर 121.09 करोड़ हो गया। भारत में लिंगानुपात में कुछ जनगणना वर्षों को छोडत्रकर प्रायः लिंगानुपात में लगातार गिरावट आयी है एवं विभिन्न राज्यों में लिंगानुपात में भी अंतर रही है। किन्तु महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक विकास एवं संविधानिक अधिकारों में वृद्धि के कारण विगत दशक में महिलाओं के लिंगानुपात में कुछ सुधार का संकेत दिखाई दे रहे है।जनसंख्या के विकास में लिंगानुपात का विशेष महत्व होता है। लिंगानुपात के द्वारा न केवल जैविक, आर्थिक एवं सामाजिक प्रवृत्तियों का ज्ञान होता है, अपितु स्त्री और पुरूष का सामाजिक एवं आर्थिक कार्य एक–दूसरे के पूरक होता है जो कि सामाजिक विकास का सूचक है।

उद्देश्य

1.भारत में लिंगानुपात में लागातार आ रही गिरावट का विश्लेषणात्मक अध्ययनकरना।
2.सभी राज्यों के लिंगानुपात का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध प्रविधि एवं सीमाएँ

अनुसंधान एक ऐसा व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध व नियंत्रित अध्ययन हे जिसके अंतर्गत संबंधित चरों व परिणामों के पारस्परिक संबंधों का अन्वेषण उपयुक्त सांख्यिकीय विधि तथा वैज्ञानिक विधि के द्वारा किया जाता है तथा प्राप्त परिणामों से वैज्ञानिक निष्कर्षों तथा नियमों व सिद्धांतों की रचना, खोज व पुष्टि की जाती है।

आंकड़ों का संकलन : जनगणना 1901 से 2011 के जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं की आंकड़े एकत्रित कर शामिल किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक समंको पर आधारित है।अध्ययन शोध आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है जो इस प्रकार है :–

लिंगानुपात = स्त्रियों की कुल जनसंख्या x1000 / पुरूषों की कुल जनसंख्या

उदाहरण :– जनसंख्या 2011 के अनुसार (भारत की कुल जनसंख्या 1210193422)

पुरूष –623,724,248
महिला –586,469,174

Sex Ratio = 586,469,174x 1000/ 623,724,248
= 940 (प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या)

लिंगानुपात वृद्धि दर – (प्रतिशत विधि द्वारा)

Sex Ratio = Sex Ratio of the current year-sex Ratio of the previous year x 100
Sex Ratio of the previous year

= 940 - 933 x 100
933

= 0.75% की वृद्धि हुई है।

सीमाएँ

प्रस्तुत अध्ययन में भारत में जनगणना 1901 से 2011 तक के कुल जनसंख्या, घनत्व, साक्षरता, जन्म दर एवं मृत्यु दर तथा विशेष कर लिंगानुपातों में परिवर्तनों का अध्ययन किया गया है।

शोध परिकल्पना

भारत के लिंगानुपात में विभिन्न जनगणना वर्षों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
भारत के राज्यों में लिंगानुपात में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

भारत की जनसंख्या प्रवृत्ति

तालिका क. 01

Census Year	Population (In crore)	Less/Increase In population	Density of Population	Literacy of Population	Birth Rate	Death Rate
• 1901	23.8	-	77	5.12	-	-
• 1911	25.2	+5.75	82	5.35	49.2	42.6
• 1921	25.1	-0.31	81	7.16	48.1	47.2
• 1931	27.9	+11.00	90	9.50	46.4	36.3
• 1941	31.9	+14.22	102	16.10	45.2	31.2
• 1951	36.1	+13.31	117	16.67	39.9	27.4
• 1961	43.9	+21.64	142	24.02	40.9	22.8
• 1971	54.8	+24.80	178	29.45	41.1	18.9
• 1981	68.3	+24.66	216	43.56	33.3	12.5
• 1991	84.6	+23.87	274	52.21	29.5	9.8
• 2001	102.7	+21.54	324	65.38	26.1	8.7
• 2011	121.02	+17.64	382	74.04	21.8	7.1

स्त्रोत : भारत की जनगणना 2011

तालिका क्र. 01 से स्पष्ट है कि भारत में 1901 में कुल जनसंख्या 23.8 करोड़ थी जो कि जनगणना 2011 में बढ़कर 121.02 करोड़ हो गया। उपरोक्त समयावधि (120 वर्षों में) लगभग 5 गुनी जनसंख्या में वृद्धि हुई है। जनसंख्या घनत्व वर्ष 1901 में 77 प्रति वर्ग कि.मी. थी जो कि जनगणना 2011 में बढ़कर 382 हो गया। लगभग 5 गुमा वृद्धि हुई है।
1901 में भारत में साक्षरता का प्रतिशत 5.12 प्रतिशत था जो कि 2011 से बढ़कर 74.04 प्रतिशत हो गया। उक्त समयावधि में लगभग 15 गुनी वृद्धि हुई है।
1901 में भारत में जन्म दर 49.2 थी जो कि 2011 में घटकर 21.8 हो गया इससे लगभग 27.4 की कमी आयी। इसी प्रकार मृत्युदर में उपरोक्त समयावधि 1901 में 42.6 था जो कि घटकर 2011 में 7.1 हो गया।
उपरोक्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि भारत में ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। शिक्षा व स्वास्थ्य का विकास, रोजगार के अवसर में वृद्धि महिलाओं के अधिकारा में वृद्धि एवं जागरूकता आने के कारण जन्मदर एवं मृत्युदर में कमी हुई है किन्तु अब भी भारत में मृत्यु दर की अपेक्षा जन्म दर अधिक है जिसके कारण जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

Sex Ratio in India

स्त्रोत : भारत की जनगणना 2011

तालिका क. 02

Census year	Sex Ratio
1901	972
1911	964
1921	955
1931	950
1941	945
1951	946
1961	941
1971	930
1981	934
1991	927
2001	933
2011	940

तालिका क्रमांक 02 से स्पष्ट है कि भारत में 1901 में लिंगानुपात 972 था जो कि जनगणना 1991 में घटकर 927 हो गया किन्तु जनगणना 2001 एवं 2011 में कुछ सुधार होकर क्रमशः 933 एवं 940 हो गया। इसका कारण है कि सरकारद्वारा महिलाओं की शिखा व स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया गया तथा महिला सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में जागरूकता के कारण लिंगानुपात में कुछ सुधार के संकेत है।

तालिका क. 03

Religions Base Sex Population in India

Religions	**Sex Ratio**
Hindu	931
Muslim	936
Christianity	1009
Jain	940
Sikh	893
Buddhism	953

स्त्रोत : भारत की जनगणना 2011

तालिका क्रमांक 03 से स्पष्ट है कि जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार भारत में लिंगानुपात सबसे अधिक ईसाई धर्म में 1009 तथा सबसे कम सिक्ख धर्म में 893 रही है। जबकि जैन, मुस्लिम एवं हिन्दु धर्म में क्रमशः 940, 936 तथा 931 रही है।

तालिका क. 04

State wise Sex Ratio of India census-2011

Name of State	Sex Ratio (No of Female on per Thousand Male)
• Delhi	866
• Hariyana	877
• Jammu Kashmir	883
• Sikkim	889
• Punjab	893
• Uttar Pradesh	908
• Bihar	916
• Gujrat	918
• Arunachal Pradesh	920
• Maharastra	925
• Rajsthan	926
• Madhya Pradesh	930
• Nagaland	931
• West Bangal	947
• Jharkhand	947
• Assam	954
• Tripura	961
• Uttarakhand	963
• Karnatka	968
• Goa	968
• Himanchal Pradesh	974
• Mijoram	975
• Orissa	978
• Meghalayal	986
• Manipur	987
• Chhattisgarh	991
• A.P.	992
• Tamilnadu	995
• Kerala	1084
• India	940

स्त्रोत : भारत की जनगणना 2011

तालिका क्रमांक 04 से स्पष्ट है कि भारत में जनगणना 2011 के अनुसार सबसे कम लिंगानुपात राज्यों जिसमें दिल्ली 866, हरियाणा 877, जम्मू काश्मिर 883, सिक्किम 889, पंजाब 893, उत्तरप्रदेश 908, बिहार 916, गुजरात 918 है जबकि सबसे अधिक लिंगानुपात राज्यों जिसमें सबसे अधिक केरल 1084, तमिलनायडू 995, आन्ध्रप्रदेश 992, छत्तीसगढ़ 991, मणिपुर 987 तथा मेघालय 978 है जबकि भारत का लिंगानुपात 940 है।

उपरोक्त आंकड़ों से स्पष्ट है कि उत्तर पूर्व राज्यों में भारत में जहां महिला पुरूष में मतभेद, महिला उत्पीड़न, लड़की की अपेक्षा, लड़कों को अधिक प्राथमिकता देना, व्यवसायवाद, दहेजप्रथा, सामाजिक रीति–रिवाज में जटिलता भ्रूण हत्या, महिलाओं के प्रति निम्न सोच आदि ऐसे कारण है जिससे कारण इन राज्यों में लिंगानुपात राष्ट्रीय औसत से कम है।

अशिक्षा, रूढ़िवादी प्रवृत्ति, स्त्री एवं बालिकाओं के साथ भेदभाव, पुरूषों को उच्च प्राथमिकता, गरीबी, बेरोजगारी, दहेजप्रथा, स्त्रियों के प्रति हीन मानसिकता, गृहकार्य तक सीमित, जागरूकता का अभाव एवं प्रवास आदि अनेक कारण है।

भारत की लिंगानुपात 1901 में 972 था जो 1991 में कम होकर 927 हो गया। सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता व महिला सशक्तिकरण व प्रोत्साहन के कारण समाज में महिलाओं का सामाजिक व आर्थिक विकास में वृद्धि हुई है जिसके कारण

2001 में 933 एवं 2011 में 940 हो गया।
दिल्ली राज्य में सबसे कम लिंगानुपात 866 है, छ.ग. में 991 तथा केरल राज्य में सबसे अधिक 1084 है।
समस्याएँ एवं परिणाम
भारत में जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, इसका कारण यह है कि समाज में अशिक्षा व स्वास्थ्य स्तर कमजोर है, विशेषकर पिछड़े राज्यों की स्थिति बहुत खराब है।
समाज में रूढ़ीवाद, परंपरा, हीन मानसिकता, जातिवाद, साम्प्रदायिकता होने के कारण जनसंख्या वृद्धि पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।
गरीबी एवं बेरोजगारी समाज में व्याप्त है।
भारत में लिंगानुपात कम होने का प्रमुख कारण यह है कि समाज में देहज प्रथा महिलाओं के साथ सामाजिक भेदभाव, हिंसाग्रस्त, प्रसवपूर्व परीक्षण, भ्रूण हत्या आदि कारण रही है।
विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का अभाव व निम्न स्वास्थ्य स्तर होने के कारण महिलाओं के विकास पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।
महिलाओं चारदीवारी तक गृह कार्य तक ही सीमित रहते है, घर क बाहर रोजगार के कम अवसर या प्रतिबंध किये जाने के कारण महिलाओं की सोच संकीर्ण हो रही है।
पूंजी का आभाव, होने के कारण उनकी आय व बचत निम्न होती है, जिसके कारण बीमारी अवस्था में उचित ढंग से इलाज नहीं हो पाता और परिहार्य मृत्य के शिकार हो जाते हैं।
समाज में महिलाओं को प्रोत्साहन की कमी है।
भारतीय समाज में महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति वचिार या सोच संकीर्ण है।
समाज में कुरितीयाँ, भ्रष्टाचार, शोषण, व्यवसायवाद, दूरदर्शन प्रभाव होने के कारण महिलाऐं सर्वाधिक शोषण का शिकार हुए है।

सुझाव

भारत में जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का विस्तार किया जावे।
भारत शहरी और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार करके शैक्षणिक स्तर को बढ़ाया जावे जिससे जनता में जागरूकता आ सके।
गरीबी एवं बेरोजगारी को दूर करने के लिए वृहद स्तर पर रोजगार कार्यक्रम चलाया जावे।
पिछड़े क्षेत्रों में आर्थिक विकास के लिये, बचत एवं पूंजी निर्माण को बढ़ावा दिया जावे जिससे कि उनकी प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो सके तथा बच्चों का लालन पालन ठीक से हो सके।
महिलाओं के प्रति सामाजिक भेदभाव को दूर किया जावे।
महिलाओं उत्पीड़न हेतु संवैधानिक नियमों के तहत् कठोर कार्यवाही किया जावे।
महिला सशक्तिकरण को और अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
महिलाओं का प्रसव पूर्ण परीक्षण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जावे।
समाज में पुरूषों के समान स्त्रियों को भी आर्थिक एवं सामाजिक विकास हेतु समान अवसर दिया जावे।
महिलाओं के लिये रोजगार के अनेक अवसर खोले जावे।
दहेज प्रथा, कुरूतियाँ, रूढ़ीवाद को समाप्त किया जावे।
भ्रूण हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जावे।
समाज में महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच होना चाहिए।

BIBLIOGRAPHY

1.Mamoria Dr. Chaturbhuj commercial Geography sahitya Bhavan Agra 1985.
2.Tiwari, Vijay Kumar, Geography of population in India. Himalya publishing house Mumbai 1996.
3.Mishra, S.K. and puri, V.K. Indian Econamy 14th Revised Edition 2002, Himalya Publishing house Delhi.
4.Datt Riddar and Sundharam, K.P.M., Indian Economiy 61th Revised Edition 2011-12, S. chand publishing Ram Nagar New Delhi.

MAGAZINE

5.Pratiyogita darpan Indian Economy census 2011 year 2014

सेराफिनुस किस्पोट्टा
सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, गुरू घासीदास वि.वि. बिलासपुर छ.ग.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.net